संख्या-

योगी आदित्यनाथ

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

सन्देश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है कि वृक्षारोपण को जन अभियान बनाए जाने हेतु वन एवं वन्य जीव विभाग द्वारा 'वन महोत्सव' (01 से 07 जुलाई, 2018) के अवसर पर विभिन्न वृक्षारोपण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

समुदाय को वनों व वृक्षों से प्राप्त होने वाले अपरमित लाभों के दृष्टिगत हमारे ऋषि मुनियों ने वनों में निवास व चिन्तन कर वनों व वृक्षों की रक्षा व विस्तार को धर्म, परम्परा व संस्कृति का अंग बनाया। बढ़ती जनसंख्या, विकास की अदम्य आकांक्षा एवं तीव्र गति से शहरों के विस्तार के कारण वनों व वृक्षों सहित समस्त प्राकृतिक संसाधनों पर जैविक दबाव निरन्तर बढ़ रहा है। वन व वृक्ष निकटवर्ती क्षेत्रों के निवासियों के लिए भोजन, वस्त्र, औषधि, आजीविका के संसाधन, ईंधन व चारा आदि एवं सम्पूर्ण समाज को विभिन्न पर्यावरणीय सेवाएं उपलब्ध कराने के महत्वपूर्ण स्रोत हैं। प्रदेश सरकार वनवासियों, स्थानीय निवासियों व कृषकों को वन प्रबन्ध में सहभागी बनाकर प्रदेश की हरियाली में वृद्धि व समाज के इन वर्गों की आर्थिक स्थिति उन्नत करने हेतु निरन्तर प्रयासरत है।

भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट 2017 के अनुसार वृक्षारोपण गतिविधियों एवं संरक्षण प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रदेश के वनावरण व वृक्षावरण में वृद्धि हुई है। इस उपलब्धि से प्रेरित होकर प्रदेश में मानक के अनुरूप वनावरण व वृक्षावरण प्राप्त करने हेतु और अधिक प्रयास किया जाना अपेक्षित है। प्रदेश में हरित आवरण विस्तार हेतु विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन एवं व्यापक जन सहभागिता प्राप्त की जा रही है। राष्ट्रीय नदी गंगा को प्रदूषण मुक्त करने एवं गंगा तट को हरा–भरा बनाने हेतु जन सहयोग व जन सहभागिता से गंगा हरीतिमा अभियान संचालित किया जा रहा है। प्रदेशवासियों को कम से कम एक पौध रोपित करने के लिए प्रेरित करने हेतु 'एक व्यक्ति एक वृक्ष' कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

प्रदेशवासियों से अनुरोध है कि वर्षाकाल में अधिक से अधिक पौध रोपित कर रोपित पौधों का सिंचन व सतत् देखभाल करें ताकि आज रोपित पौध भविष्य में वृक्ष का रूप धारण कर मानवता के कल्याण में सहायक बन सके।

'वन महोत्सव' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की सफलता हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(योगी आदित्यनाथ)